CUH Launches Value-added Course on Valmiki Ramayan

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 25-01-2024**

हकेंवि में वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू

नारनौल, 24 जनवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू किये हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य' नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। दो-क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा। खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्री; सांस्कृतिक कलाकृतियों, हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्न; पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता; राम सेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्य; और इसी तरह के अन्य संदर्भ वर्तमान संदर्भ में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 25 January 2024
https://epaper.dainiktribunec

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 25-01-2024**

हकेंवि ने वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम किया शुरू

- प्रत्येक सेमेस्टर में दो-क्रेडिट क्वाल फाइंग पाठ्यक्रम होगा उपलब्ध

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य' नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना, और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। दो-क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा।

खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्री; सांस्कृतिक कलाकृतियों, हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्न; पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता; रामसेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्य; और इसी तरह के अन्य संदर्भ वर्तमान में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना, इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं।

कुलपति ने कहा कि यह पाठ्यक्रम निश्चित रूप से वैज्ञानिक प्रमाणों में निहित पारंपरिक भारतीय ज्ञान के प्रसार में अभूतपूर्व साबित होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 25-01-2024**

वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम किया शुरू

नारनौल 24 जनवरी (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य' नामक पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना, और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्री; सांस्कृतिक कलाकृतियों, हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्न; पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता; राम सेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्य; और इसी तरह के अन्य संदर्भ वर्तमान संदर्भ में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं।

नवोदय टाइम्स Thu, 25 Januar https://epaper

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-01-2024**

पहल

रामायण की उपयोगिता स्थापित करना पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल

हकेंवि में वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वेल्यू एडेड) शुरू किया है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार
स्रोत: हकेंवि

स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों के बीच रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के माध्यम से खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्री; सांस्कृतिक कलाकृतियों,

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। स्रोत : विवि

हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्न; पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता; राम सेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्य; और इसी तरह के अन्य संदर्भ वर्तमान संदर्भ में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पाठ्यक्रम निश्चित रूप से वैज्ञानिक प्रमाणों में निहित पारंपरिक भारतीय ज्ञान के प्रसार में अभूतपूर्व साबित होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के बारे में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना, और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। दो क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा।

आपदा प्रबंधन पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के सहयोग से तीन दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हुई। आपदा प्रबंधन योजना के विभिन्न पहलु और लचीले बुनियादी ढांचें के निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका विषय पर केंद्रित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आपदा प्रबंधन और इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण को अति-महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इंजीनियर्स की भूमिका इस विषय में और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि गुणवत्तापूर्ण, सुदृढ़ निर्माण सुनिश्चित करने में इंजीनियर्स का योगदान सबसे अहम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अंतर्गत आने वाले इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट की ओर से वरिष्ठ परामर्शदाता (आरआईडी) ने इंजीनियर्स के लिए इस दिशा में आवश्यक प्रशिक्षण को अहम बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से अवश्य ही युवा इंजीनियर्स को आपदा प्रबंधन से संबंधित इस महत्त्वपूर्ण विषय को समझने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मुरलीधर नायक भूक्या व डॉ. गरिमा अग्रवाल हैं जबकि आयोजन में समन्वयक के दायित्व का निर्वहन प्रो. अजय कुमार बंसल व श्रेयश द्विवेदी कर रहे हैं। आयोजन के उद्घाटन सत्र में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह सहित प्रो. आकाश सक्सेना, डॉ. राजेश कुमार दुबे, डॉ. सुमित सैनी, डॉ. कल्पना चैहान, डॉ. मुनीष मानस, डॉ. मनीष कुमार, इंजीनियर पूनम शर्मा, इंजीनियर नितिन कुमार व विद्यार्थी उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-01-2024**

वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रो. कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना और विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से अवगत कराना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 24-01-2024**

हकेवि ने वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया

-प्रत्येक सेमेस्टर में दो-क्रेडिट क्वालिफाइंग पाठ्यक्रम होगा उपलब्ध

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य' नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना, और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। दो-क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा। खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्री; सांस्कृतिक कलाकृतियों, हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्न; पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता; राम सेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्य; और इसी तरह के अन्य संदर्भ वर्तमान संदर्भ में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि यह पाठ्यक्रम निश्चित रूप से वैज्ञानिक प्रमाणों में निहित पारंपरिक भारतीय ज्ञान के प्रसार में अभूतपूर्व साबित होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 24-01-2024**

रामायण पर पाठ्यक्रम

■ प्रत्येक सेमेस्टर में दो-क्रेडिट क्वालिफाइंग पाठ्यक्रम होगा उपलब्ध, हकेंवि ने किया शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वाल्मीकि रामायण पर दो क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के प्रति संवेदनशील बनाना व उन्हें विज्ञान, मानविकी विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haryana Pradeep **Date: 24-01-2024**

हकेवि ने वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया

» प्रत्येक सेमेस्टर में दो-क्रेडिट क्वालिफाइंग पाठ्यक्रम होगा उपलब्ध

महेंद्रगढ़ (हरियाणा प्रदीप)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य' नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

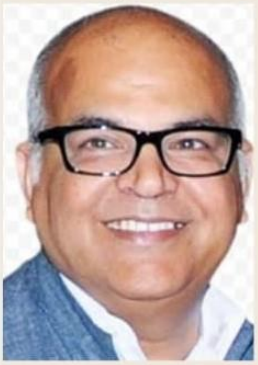

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना, और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। दो-क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा। खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्री; सांस्कृतिक कलाकृतियों, हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्न; पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता; राम सेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्य; और इसी तरह के अन्य संदर्भ वर्तमान संदर्भ में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि यह पाठ्यक्रम निश्चित रूप से वैज्ञानिक प्रमाणों में निहित पारंपरिक भारतीय ज्ञान के प्रसार में अभूतपूर्व साबित होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 24-01-2024**

हकेवि ने वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम

की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य' नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना, और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। दो-क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा। खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्री, सांस्कृतिक कलाकृतियों, हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्न, पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता, राम सेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्य, और इसी तरह के अन्य संदर्भ वर्तमान संदर्भ में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि यह पाठ्यक्रम निश्चित रूप से वैज्ञानिक प्रमाणों में निहित पारंपरिक भारतीय ज्ञान के प्रसार में अभूतपूर्व साबित होगा।